



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

65AA 014413

पट्टा 101 नंका नम्बर 520 वर्ष 2009 पर सलंगन है,

पट्टा सुना सर. नि

## न्यायालय तहसीलदार सदर कानपुर नगर

नं० १०१७७/१९७७

महादीर तहसीलदार

कानपुर

बाबुराम आदि

पारा-३४/३५ एस०आर० एण्ड

मौजा-वैरी अकबरपुर कछार कानपुर नगर।

निर्णय

प्रस्तुत सामान्तरण वाद प्रार्थी द्वारा पंजीकृत दैनामा के आधार पर प्रस्तुत करते हुए विपक्षित भूमि पर राजदम अभिलेखों में अपना नाम अंकित किया जाने की प्रार्थना की है। नियमानुसार इस्तहार जारी किया गया जो वाद तामीली शर्द्धिल पत्रावली है। जिससे ओर से कोई आपत्ति दायित नहीं हुई। वादी द्वारा साक्ष्य में मूल दैनामा, नकल तन्मग्न खतौली व शपथपत्र, दाखिल किया गया। विपक्षित तारीख में शौचीय लेखपात्र में बयान करते हुये कथन किया है कि विपक्षित भूमि पर केता का ही कब्जा व दखल है। विपक्षित अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं है। विपक्षित भूमि के०डी०ए० आदि की जाती है।

मैंने पत्रावली का सम्यक अवलोकन किया तथा उपलब्ध साक्ष्य को पढ़ा। पत्रावली पर दाखिल पंजीकृत दैनामा से आराजी निगाई का प्रार्थी को हक में विवक्षित किया जाना एवं विपक्षित भूमि पर केता का ही कब्जा व दखल रित है। आग्रह वादी का सामान्तरण प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है।

अदेश

अतः आदेश हुआ कि प्राग वैरी अकबरपुर कछार की प्राता खतौली १४१० को लगायत १४१४ को प्राताखतौली १४७ आ०खतौली १०३४ रकबा ०.०५१३० मस्तरुजारी ६०घ पर विपक्षित बाबुराम व राजकुमार व रामकुमार पुत्रगण दीक निवासीगण ग्राम संपपुर कानपुर नगर का नाम पृथक करके पंजीकृत दैनामा-दि० १८-११-०६ के आधार पर केता महादीर तहसीलदार आवास समिति लि० कानपुर नगर द्वारा सविय ए०के० जैन पुत्र जे०के० जैन निवासी ७३ आ०ए०स०पुरम् काकादेव कानपुर नगर का नाम पत्रावली सहकृषक/सहसम्पणीय भूमिधर दर्ज कागजात किया जावे। वाद अमल दरामद पत्रावली दाखिल दफतर की जावे।

दिनांक :-

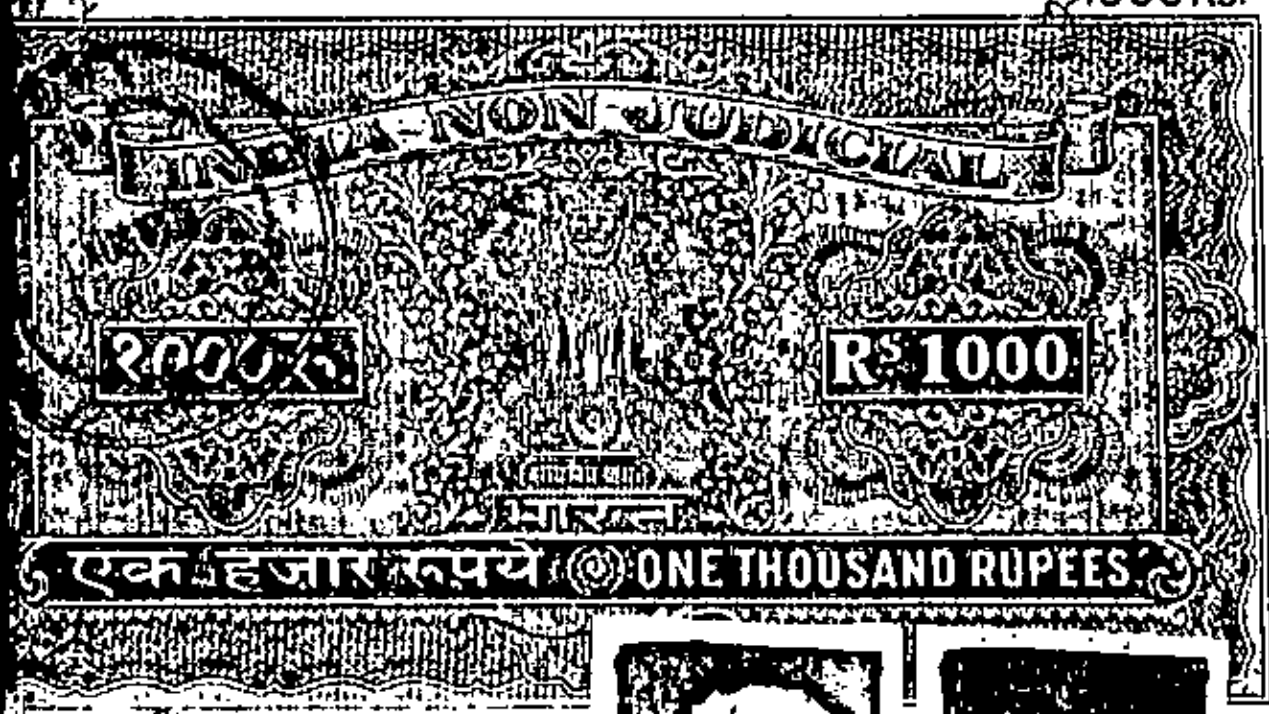
१९७७

तहसीलदार (सदर)  
कानपुर नगर

4215

(15)

1000Rs.



Subodh Kumar Nivedy



Subodh Kumar Nivedy

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

हम कि बाबुराम व राज कुमार व राम कुमार वयस्क  
पुत्रगण टीका निवासीगण ग्राम रुपपुर, पारना बतहसीह  
व जिला कानपुर नगर के हैं।

विविध है कि गिन पुकिर ताराकी पुमिधरी, नम्बर  
१०८४ एम्बर ०. ०५१ हे० लिम मजिा बंरी अक्यापुर क्कार

बाबुराम व राज कुमार, नन्दकुमार,  
बाबुराम व राज कुमार, बाबुराम

Handwritten signatures and marks at the bottom of the page.

1000Rs.



(२)

परगना व तहसील व जिला कानपुर नगर के तहसील  
पालिक, कायम बदलीत संमणित मुमिधर कारतकारान  
है, कब्जा भी एम मुफिरान का है तथा नाम भी दर्ज  
जाता सरकारी है। एम मुफिरान के तलावा अन्य कोई व्यक्ति  
हकदार व हिस्सेदार या भागीदार नहीं है। आयदाद नकल  
बान दिन तक जुला बार फिफालत से बरी पाक व साफ  
है, कदी रहन, बय, फिला, पुसागरक, जानत तादि नहीं है,  
तथा किसी डिगरी व हजराये डिगरी में कुर्र कयजा बरतार  
नीलाम नहीं है, तथा किसी न्यायालय या पोटिस्मा सरकारी  
द्वारा गिज्यादि करने से गी रोकता नहीं गया है। गानेकि

आबू राम ११/११/११ रागुमा  
आबू राम ११/११/११ रागुमा

Handwritten signature and marks.

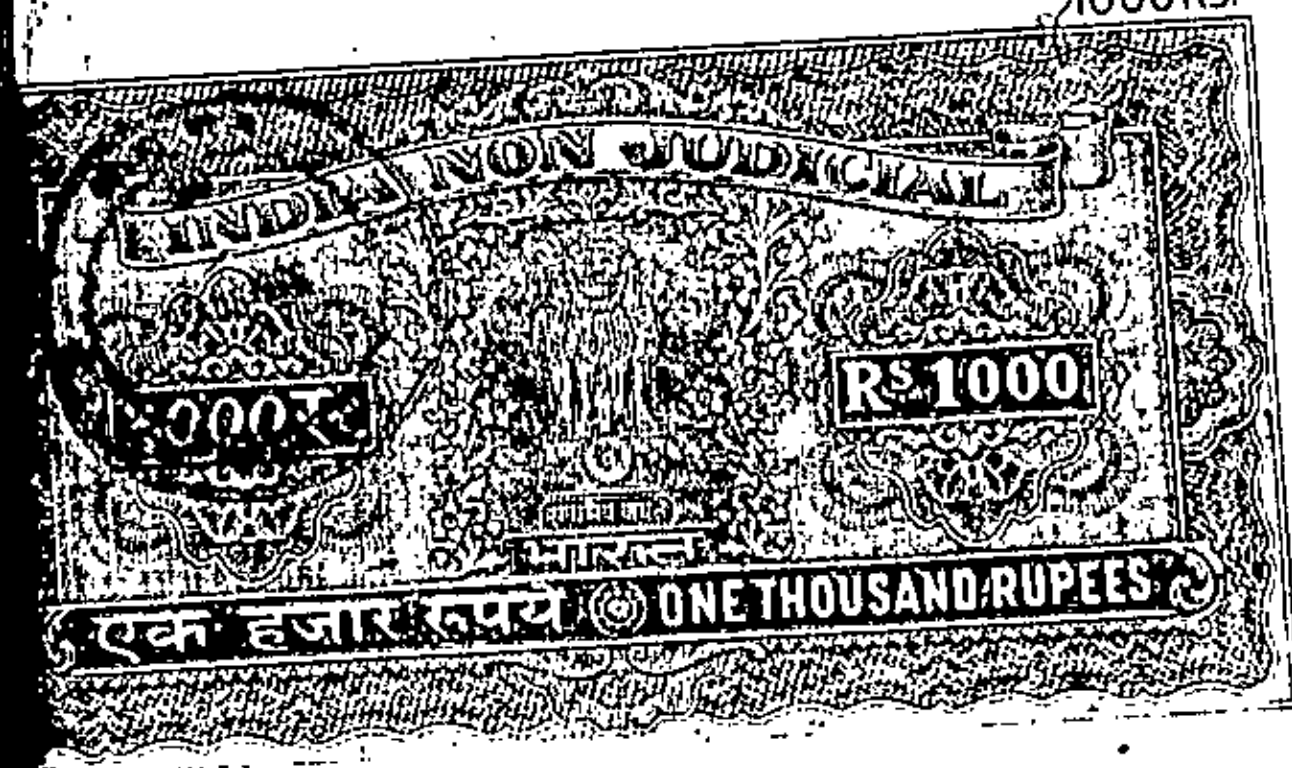
1879  
A



जायदाद उपरिक्त आज्ञा दिन तक हर प्रकार से पाक व  
साफा है तथा इस पुकिरा न की जायदाद उपरिक्त भी  
व्ययों के व्ययों का सिद्ध करने के लिये कल गीतकार या कि  
काना हो सिद्ध है। मुक्ति इस पुकिरा न की काना गीतकार या  
कान्य जायदादकर्ताओं की पूर्ति हेतु रूपया की कल जायदाद  
दरपेश है। निम्नलिखित इस पुकिरा न से कल जायदाद की कल गीत  
समस्त करों के जायदाद हर उधर जायदाद की ताँ गुप्तता व  
पर सिद्ध गीतकर्ता 30,000/- सीमांत रूपया व जायदाद  
संकारी जायदाद समिति सि० रजिस्ट्रेशन संख्या ६६६६६६ का जायदाद  
६६६६६६ सिटी केन्टर पाठशाला हर कानपुर द्वारा गीत की ०० ६० जेन

जावरासं १।५० रु०  
सागुआ

1000Rs.



(४)

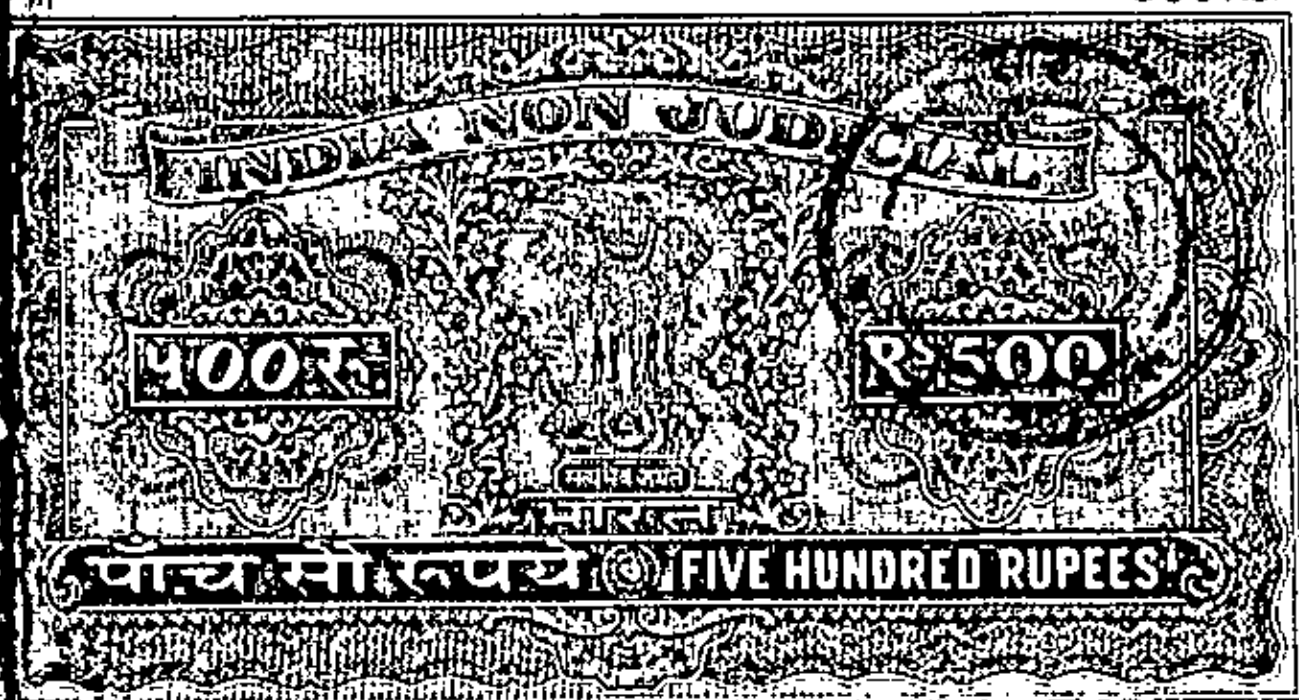
पुत्र जी जे० के० जेन निवासी ७३ नं० एम० पुरान, काकादेय,  
 कावपुर नगर सहित कावपुर गंगा रम जगन्नाथ जी, कानपुर निवासी  
 पुत्रा सिद्धवत्ता जिन हैं, बाबारी माय से का नहीं हैं। मित्रा काका  
 केत कात व सवात सन वदुरास्ती होत हवात पिता कित्ती दाव  
 नाजायज के मयगुस्ता एक वदुरास्ती हाथिली व नारिगी हात व कायन्दा  
 पिता हाँड़े हुए कित्ती चीज के पिल एकज मुबल्लि ३०,०००/-  
 तीस हजार रुपया जिसके साथे मुबल्लि १५,०००/- पन्द्रह हजार  
 रुपया जिसका हिस्सा गरीब स्थानियन केलोने हैं, बदला नहावीर  
 तस्का मिलावात समिति लि० एजिडेशन कुंया ६६६६६६ रुपया  
 कायन्दा ६३१२ कित्ती केन्द्र गात राँड ररर कावपुर द्वारा समित

आवृत्ति १० नं० ४४१  
 रावकुमा  
 २२





**500 Rs.**



(4)

कागजात ग्राहारी में नगदना निश्चित रूप से करा दी जायेगा।  
पहुँचने पर पुकिरान अपनी छह हीरो या अनादी खानदानी से  
भीतरतरत होगी पेश कर देगी। ये तो यह दरवाजे की छह फी  
हों। यदि जायदाद पुकेया हावा का कुल या नुन परग कच्चा व  
दसन पुकिरान के फतेह या तहफतेह या नुन निश्चित रूप से  
की खर्च से ग्राहारी की कच्चा वदना से निश्चित रूप से ग्राहारी  
की जायदाद पुकेया हावा की निश्चित आज दिन तक की जायत  
कुल की कच्चा या खर्च करना पड़े तो तबकी तो ही निश्चित रूप से  
पुकिरान व ग्राहारी पुकिरान की होगी, और ग्राहारी की  
जम्मा होगी कि वह अपनी कुल पर गान वगैरहा वगैर  
के पुकिरान की दीगर जात मान जायदाद वगैरहा व ग्राहारी  
से निश्चित प्रकार से कार्य प्राप्त दाप करके वगैरहा वगैरहा





(८)

स्टाम्प डिप्टी सरकारी निरीक्षा द्वारा मुबल्लिग ३८,०००/-

रुपया पर मुबल्लिग ५५५०/- रुपया की जवा कीगयी है।

उपरोक्त भूमि कृषि भूमि है सेवा होता है। खरीदार

समिति इस मुकदमा की आराजी नम्बर १०६३ रकबा

०. ५६२ हे० की पहले ही बजरिये अपनाता खरीद भूमि है।

तथा चिन्ता व कृता की पेड़ पे पेड़ मिली हुयी है। चिन्ता

अनुसूचित जाति एवं जनजाति का नहीं है, कच्छा कल्याणपुर

जोन नम्बर -२ है।

चौदही-

पूरब- आराजी नम्बर १०८२ खरीदार समिति

पश्चिम- आराजी समिति दीपर,

उत्तर- आराजी खरीदार समिति

दक्षिण- आराजी नम्बर १०८५ खरीदार समिति

तफसील वस्तुया की जरे समन मुबल्लिग ३०,०००/-

तीस हजार रुपया।

मुबल्लिग ३०,०००/- तीस हजार रुपया कच्छा खरीद

दस्तावेज अपनाता हाजा के मुकदमा ने उक्त खरीदार समिति से

जायदाद १/१०८ - राक-कुमा

जायदाद १/१०८ - राक-कुमा



(६)

नकद वसूल पा लिया है। निम्नलिखित नर समन अब

एक ही पैसा पाना जिम्मा करीदार समिति के शेष

करते रहता।

मा.प्र. 2134 मा.प्र. 2134

तद्वरीर तारीख- 20-11-1944 ई०

21/11/44 21/11/44

गवाह- 1. श्री लाल (पुनः 4002 दिनांक) समन नं० 111  
2. श्री लाल (पुनः 4002 दिनांक) समन नं० 111

गवाह- 2. श्री लाल (पुनः 4002 दिनांक) समन नं० 111  
3. श्री लाल (पुनः 4002 दिनांक) समन नं० 111

टाइपकर्ता-  
राजेश्वर सिंह,  
ला० नं० 23 कोर्ट का नगर

Subodh Kumar Trivedi  
- ADVOCATE  
Office (Lawyer) - Kanpur.

समय व डी.एम.  
 १७७१-८-९  
 १८५-५  
 २८-५-९

रु.  
 पांच ह



देश UTTA

२००६

१५३

१८/११/०६

१८-११-०६

१०२  
 २०५

३५५

५२१५

३

८  
 ८-५-०९

८-५-०९

०५